



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	29-7-23	7	1

HAU grant for business ideas

Hisar: The Agribusiness Incubation Centre of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, will provide grants ranging from Rs 5 lakh to Rs 25 lakh for new business ideas. This grant will be given by the Union ministry of agriculture and farmers welfare.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

हरि भूमि

दिनांक

29-7-23

पृष्ठ संख्या

9

कॉलम

4-8

कार्यक्रम

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, युवकों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त तक करना है ऑनलाइन आवेदन

हरिभूमि न्यूज | हिंसार

मात्र एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता पच्चीस लाख रुपये



हिंसार। एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो: हरिभूमि

अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाईड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है।

यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके

चार साल में 55 स्टार्टअप के लिए 6 करोड़ की राशि स्वीकृत

पिछले चार वर्षों में 55 स्टार्टअप को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा छह करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। आवेदक को अपने आइडिया का प्रोजेक्ट ऑनलाइन आवेदन करना है जो किशुक्त है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इन्क्यूबेशन कनेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए छयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कनेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कनेटी द्वारा किया जाएगा।

लिए पहल व सफल-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें पहल प्रोग्राम में पांच लाख रुपये जबकि सफल प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की

अनुदान राशि का प्रावधान है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

अपना व्यवसाय स्थापित करने का सुनहरा अवसर

कुलपति ने कहा कि युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार स्रोतों की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तृप्त कर सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनके आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने व केवल अपनी कम्पनी का टर्न ओवर करोड़ों रुपये तक पहुंचा है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। सेंटर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल चौगुड़ा, अनुसंधान विदेशक डॉ. जंतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगैटर (आरकेटीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मॉडिग एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिधु मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 29-7-23	29-7-23	4	1-4

भास्कर खास • एचएयू की वेबसाइट पर 28 अगस्त तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

एबिक सेंटर में पहल प्रोग्राम के लिए ₹5 लाख व सफल के लिए ₹25 लाख का मिलता है अनुदान

भास्कर न्यूज़ | हिसार

बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया अगर आपके पास है तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से स्थापित एपीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर एबिक के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की तरफ से दी जाएगी। इसके लिए आपको एचएयू की वेबसाइट



hau.ac.in पर 28 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना है। एचएयू कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बीआर काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में

अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं। जिसमें 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख रुपए जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपए की अनुदान राशि का प्रावधान है। पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़

54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। आवेदक को अपने आइडिया का प्रोजेक्ट ऑनलाइन आवेदन करना है जो निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआईसी की तरफ से दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ठाँगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर आरकेवीवाई डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
५ नवंबर 2023	29-7-23	4	2-6

एक आइडिया कारोबार के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये

जागरण संवाददाता, हिसार : अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाईड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट hau.ac.in पर 28 अगस्त तक आनलाइन आवेदन करना है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज द्वारा एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए। • दिग्दर्शित

दिया जाएगा दो माह का प्रशिक्षण

आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल आनलाइन आवेदन करना है जोकि निशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के पास भेजा जाएगा।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बीआर काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग

से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं। 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये

की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले चार सालों में 55 स्टार्टअप को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों

से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

दूसरों को भी दे पाएंगे रोजगार: कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करने का सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्चिसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सत्य कहे	29-7-23	5	2-8

हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बेरोजगारों युवकों, किसानों व उद्योगियों के लिए सुनहरा अवसर

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख

सच कहें /सदीप सिंहमार

हिसार। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाई व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिंह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।



पहल व सफल-2023 नाम से दो प्रोग्राम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए पहल व सफल-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें पहल प्रोग्राम में 5 लाख रुपए जबकि सफल प्रोग्राम में 25 लाख रुपए की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि छले 4 सालों में 55 स्टार्टअप को केन्द्रीय कृषि एवं कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा नहीं बनेगी बाध्य

आवेदक को अपने आइडिया का प्रोजेक्ट ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि नि:शुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इन्क्यूबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करबाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।



एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी रोजगार

कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार सम्भारनाएँ तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कम्पनी का टर्न ओवर करांडी रुपये तक पहुँचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल वीगड, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिन्सीपल इन्वैस्टीगेटर (आरकेबीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. सदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिन्धु मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

उमर उजादा

दिनांक

29-7-23

पृष्ठ संख्या

4

कॉलम

1-6

रोजगार

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, बेरोजगार युवाओं, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

बिजनेस का नायाब आइडिया दें और पाएं 25 लाख का अनुदान

माई सिटी रिपोर्टर



एचएयू कुलपति प्रो. बी.आर. कान्बोज एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए। संवाद

हिसार। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आपको 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाई व भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) प्रक्रिया के तहत प्रदान करेगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in पर 28 अगस्त तक

ऑनलाइन आवेदन करना है। एचएयू के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बीआर कान्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग,

नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व

'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं। 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप को केंद्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी रोजगार : बीसी ने कहा कि इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा,

किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ों रुपये तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढोंगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सुजीत समाचार	29-7-23	5	3-6

एचएच के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बेरोजगारों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख : प्रो. काम्बोज

हिसार, 28 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के विज्ञान सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान

कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट hau.ac.in पर 28 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार

इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख रुपये जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप को



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए।

केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया। आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि निशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा

यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा। कुलपति ने कहा युवाओं के लिए

कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढोंगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक प्रबुद्ध	29-7-23	8	3

**एचएयू के एबिक
सेंटर ने मांगे आवेदन**

हिसार, 28 जुलाई (हप्र)

अगर आपके पास बिजनेस का कोई नया आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) में स्थापित एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना है। कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा संबंधित क्षेत्र में प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब मसूरी	29-7-23	2	1

**एच.ए.यू. के एबिक
सेंटर ने मांगे आवेदन**

हिसार, 28 जुलाई (ब्यूरो): अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नानार्ड, व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहाय्य से स्थापित एग्रीबिजनेस इन्यूवेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि सूक्ष्म प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

पांच बजे न्यूज

28.07.2023

--

--

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये, एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन

पांच बजे न्यूज

हिसार। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आईडिया है, तो यह आईडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्टाफ्ट व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहाय्य से स्थापित एबीक सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाती है। इसके लिए आपको विश्व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट www.hau.ac.in पर 28 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

इलेक्ट्रिक आउट्रिडा को मिल सकती है 25 लाख तक की राशि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बी.आर. चाम्बेन के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी



मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पाल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिनमें 'पाल' प्रोग्राम में 5 लाख रुपये जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप को केन्द्रीय कृषि एवं

कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलवर्षा ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया। आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा नहीं बनेगी बाध्य आवेदक को अपने आईडिया का प्रारंभिक ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि नि:शुल्क है। इसके बाद उस आईडिया का फुलफॉर्मिटी

वैज्ञानिक व इन्वेंचरन कमेटी अंशआईडी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा एबी कमेटी आवेदक के आईडिया को प्रस्तुत कराया जाये और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।

एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी रोजगार
कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक

सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अलग धुंमका दिखाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्चिंसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यवहार को अलग स्तरपर ले जा सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनकी आत्मनिर्भर बनने में काफी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करके सफल रूप से शुरू किया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है।

इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अनुप शीमड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगैटर (अपकेबीसी) डॉ. राजेश मेह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप अर्वा व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिन्घु मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	28.07.2023	--	--

‘एक आइडिया आपको दिला सकता है 5 से 25 लाख’

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन

नभ-छोर न्यूज़ २८ जुलाई
हिसार। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना है। कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बीआर काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग,



ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए पहल व सफल-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें पहल प्रोग्राम में 5 लाख रुपए जबकि सफल प्रोग्राम में 25 लाख रुपए की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा

नहीं बनेगी बाध्य

आवेदक को अपने आइडिया का प्रोजेक्ट ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इन्क्यूबेशन कमेटी अरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा वही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा

किया जाएगा।

एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी रोजगार
कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप देस को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्बिसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार को अगार संभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल दोगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेबीआई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवोकेटर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	28.07.2023	--	--

दैनिक पाठकपक्ष, हिसार, शुक्रवार, 28 जुलाई, 2023

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बेरोजगारों युवकों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये : कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 28 जुलाई : अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबाई व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रोबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान रशि दिला सकता है। यह अनुदान रशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट www.hau.ac.in पर 28 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा नहीं बनेगी बाध्य

आवेदक को अपने आइडिया का प्रोजेक्ट ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि नि:शुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज द्वारा एग्रोबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए।

और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान रशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान रशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।

एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी रोजगार

कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को अल्पनिर्भर बनने की दिशा में अहम

भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्वीसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ों रूपए तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल हींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगैटर (आरकेवीआई) डॉ. राजेश गेरा,

इनोवेटिव आइडिया को मिल सकती है 25

लाख तक की ग्रांट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. वी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लॉजिस्टिक्स, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख रुपये जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान रशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की रशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

मोडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंघु मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	28.07.2023	--	--

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये : कुलपति एचएयू के एबिक सेंटर ने मागे आवेदन, हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बेरोजगारों, युवकों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार, 28 जुलाई। अगर आपको पास कोई बिजनेस करने का सपना होना या आईडिया है, तो यह आईडिया आपकी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कार्डेड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहायता से स्थापित एबिकसेन्टर इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि प्राप्त कर सकते हैं। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको निर्णय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

इन्वेस्टिंग आईडिया को मिल सकती है 25 लाख तक की छूट
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष डॉ. बी.आर. बरनोबेन के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, आईटीईआर,

ट्रेडमार्क व पेटेंट, लॉगोकेरी व पॉलिश से संबंधित प्रतिभाग लेबर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को सपना आकार दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिनमें 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख रुपये जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने एक कार्यक्रमों से संबंधित विचार प्रस्तिका का विमोचन किया।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा परीक्षणों कायम
आवेदक को अपने आईडिया का प्रोजेक्ट ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि निम्नलिखित है। इसके बाद इस आईडिया का बुनियादी वैज्ञानिक व इंजिनियरिंग कमेटी द्वारा आईडी द्वारा दो महीने के प्रतिभाग के लिए पराम किया जाएगा। दो महीने के प्रतिभाग के बाद दोबारा परी कमेटी आवेदक के आईडिया को प्रस्तुत करवाएगी और परीक्षा आवेदक के नाम



के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।
एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे सकते दूसरे लोगों को भी रोजगार
कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रतिभाग व वित्तीय सहायता लेकर युवा

रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप देने को आकर्षित करने की दिशा में अलग भूमिका निभाएगी इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्वायिव, पैकजिंग व ब्रैंडिंग करके व्यापार को अलग संभवताएं तलाश सकते हैं। ये लोगों को कार्यक्षम इनको आकर्षित करने में काफी मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा

इस सेंटर से अब तक चूहे युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का दर्जा खींचा करोड़ों रुपये तक पहुंचा है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. आतुल चौधरी, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतानन्द शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आर्केनोबाई) डॉ. रामेश गिर, पीडिए एकाइनर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विजय सिन्घु मौजूद थे।